राष्ट्र निर्माण ही मिशन...

हर नागरिक- राष्ट्र निर्माता

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

विषय सूची

अध्याय 1
पेज 07

नई अर्थव्यवस्था, नया भारत, नया विश्वास

अध्याय 2
पेज 28

भारत के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण

अध्याय 3
पेज 44

जन-जन तक तकनीक परिवर्तन का नया सेतु

अध्याय 4
पेज 53

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस : सरलता आई

अध्याय 5
पेज 69

ईज ऑफ लिविंग : सहज जीवन, सशक्त नागरिक

अध्याय 6
पेज 84

पूर्वोत्तर भारत : देश के विकास का इंजन

राष्ट्र निर्माण ही मिशन...

हर नागरिक - राष्ट्र निर्माता

"अंग्रेजी में एक कहावत है कि size of the cake matters यानी जितना बड़ा केक होगा उसका उतना ही बड़ा हिस्सा लोगों को मिलेगा और इसलिए हमने भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। अर्थव्यवस्था की साइज और आकार जितना बड़ा होगा, स्वाभाविक रूप से देश की समृद्धि उतनी ही ज्यादा होगी।"

प्रधानमंत्री मोदी का यह एक वाक्य पूरी सोच बयान कर देता है। भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना, यह केवल एक लक्ष्य नहीं, एक सपना है। 2014 में जब देश की दिशा बदली, तो सोच भी बदली। राजनीति, राष्ट्रनीति बन गई। गरीब हो या अमीर, युवा हो या बुजुर्ग, महिला हो या पुरुष- सभी एक सपने से जुड़ गए। पीएम मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इतना चर्चित हुआ कि ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने इसे 'वर्ड ऑफ द ईयर' घोषित कर दिया।

'फ्रैजाइल 5' से 'फास्टेस्ट ग्रोइंग'

2013 में भारत उन पांच देशों में था जिनकी अर्थव्यवस्था सबसे नाजुक थी। 'फ्रैजाइल फाइव' यानी कमजोर आर्थिक देशों के समूह का सदस्य माना जाने लगा था। किंतु दूरदृष्टि से लिए गए सुधारों ने इस तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया। भारत आज तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है।

इस परिवर्तन के पीछे कई निर्णायक सुधार हैं। महंगाई नियंत्रण में आई। जीएसटी ने पूरे देश को एक बाजार में पिरो दिया। बैंकिंग सुधारों से एनपीए में कमी आई।

जनता का पैसा, जनता के चरणों में

जब सरकार की कमाई बढ़ी, तो वह पैसा तिजोरी में नहीं रुका, नागरिकों के पास लौटा। 2014 में 2 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं था। आज यह सीमा 12.75 लाख रुपये है। करोड़ों परिवारों की जेब में पैसा बचा।

टैक्स का बोझ घटा है और लोगों का भरोसा बढ़ा है। परिणाम हुआ कि टैक्स देने वालों की संख्या निरंतर बढ़ने लगी क्योंकि लोगों ने देखा कि उनका पैसा सड़कों में लग रहा है, अस्पतालों में लग रहा है, देश के भविष्य में लग रहा है। यही तो सुशासन है, यही तो रामराज्य का संदेश है।

इंफ्रा : भारत के सौभाग्य की हस्तरेखा

राष्ट्र निर्माण में इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करता है। साथ ही, सामाजिक समरसता को भी सुदृढ़ करता है।

बीते 12 वर्ष में निर्मित पुल, सड़कें, नया संसद भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि- ये केवल इमारतें नहीं, आत्मनिर्भर भारत की बुनियादी सोच के जीवंत दर्पण हैं।

जल, थल और आकाश, तीनों में भारत स्पीड-स्केल से आगे बढ़ रहा है। स्वतंत्रता के सौ साल की दहलीज पर खड़े भारत का हर कदम अब विकसित राष्ट्र की दिशा में है।

तकनीक बनी जन-जन की ताकत

विज्ञान और तकनीक अब सिर्फ लैब तक सीमित नहीं। यह खेत तक पहुंची, अस्पताल तक पहुंची, घर-घर तक पहुंची। 'प्रगति' जैसे प्लेटफॉर्म ने सरकार और जनता के बीच की दूरी मिटाई। पारदर्शिता आई। भ्रष्टाचार घटा। सबसे पीछे खड़ा इंसान भी अब सरकारी योजनाओं का हकदार बना। यही तकनीक की असली जीत है।

किसी भी नागरिक समाज और अर्थव्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए विज्ञान और तकनीक सबसे महत्वपूर्ण है। जबकि पूर्व में स्थिति यह थी कि यह बिखरी हुई थी। ऐसे में पीएम मोदी ने इसे शासन और विकास का प्रमुख उपकरण बनाया और उसका लाभ जन-जन तक पहुंचा दिया है।

व्यापार और जीवन में बढ़ी सुगमता

कारोबार करना आसान हुआ- 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से सरलता आई। आज तकनीक ने पारदर्शिता बढ़ाई है और ईज ऑफ लिविंग- यानी जीवन जीने की सुगमता को हर नागरिक का अधिकार बना दिया है।

पूर्वोत्तरः अब दिल और दिल्ली के करीब

राष्ट्र निर्माण की बात हो और पूर्वोत्तर उपेक्षित रह जाए, यह नए भारत में संभव नहीं। कभी यह क्षेत्र दिल्ली से भी दूर था, दिलों से भी।

हिंसा, नाकाबंदी और उपेक्षा, यही इसकी पहचान थी। लेकिन पीएम मोदी की सरकार ने इसे बदल दिया। 12 वर्षों में प्रधानमंत्री ने खुद 83 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा किया।

आज 'अष्टलक्ष्मी' यानी पूर्वोत्तर के आठ राज्य विकास की नई कहानी लिख रहे हैं। अब यह देश का आखिरी छोर नहीं, यह भारत की सुरक्षा व समृद्धि का प्रवेश द्वार है।

नई कहानी, नया भारत

12 वर्षों का सुधार 12 वर्षों का विश्वास बन गया है। जीएसटी हो, फेसलेस टैक्स हो, डिजिटल इंडिया हो, सभी कदम ने नागरिक को यह एहसास दिलाया कि वह भी राष्ट्र निर्माता है।

पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर भारत बढ़ रहा है। यह केवल आंकड़ा नहीं, यह प्रत्येक भारतीय के सपने की उड़ान है। यही है नए भारत की गौरवशाली कहानी।

अध्याय 1

नई अर्थव्यवस्था
नया भारत, नया विश्वास
$5 ट्रिलियन भारत का अगला पड़ाव

भारत आज वो देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। अब भारत चुनौतियों को टालता नहीं है बल्कि चुनौतियों से टकराता है। दुनिया की हर उथल-पुथल के बीच, भारत ने अपनी प्रगति की गति बनाए रखी है।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹345 +लाख करोड़

रहा वर्ष 2025-26 में भारत की GDP *(वर्तमान कीमतों पर)*

- विकास में तेजी के साथ भारत ने वैश्विक समकक्षों को पीछे छोड़ा
- यह आर्थिक उन्नति दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रही है
- सुधार, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी विकास को भी मदद मिल रही है
- जीडीपी अनुमानों का आधार वर्ष अब 2022-23 कर दिया गया है

आजादी के बाद भारत को $1 ट्रिलियन GDP तक पहुंचने में 60 वर्ष लगे

- 2014 में भारत 2 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था थी, फिर तेजी से 3 ट्रिलियन और 4 ट्रिलियन तक पहुंच गई
- यही गति बनी रही तो अगले 2 वर्ष में भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है

अंतरराष्ट्रीय विश्व बैंक के अनुसार, भारत अब दुनिया की GDP वृद्धि में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला देश बन गया है

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र का विस्तार

25+ लाख रोजगार सृजित

- 8X इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात, ₹0.38 लाख करोड़ से ₹3.3 लाख करोड़
- 6X इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, ₹1.9 लाख करोड़ से ₹11.3 लाख करोड़
- आयात कम और निर्यात ज्यादा हुआ
- भारत वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है
- भारत की औद्योगिक यात्रा जिस बदलावकारी अध्याय में प्रवेश कर चुकी है उसमें पीएलआई योजना एक प्रमुख हिस्सा है

लगभग ₹79 लाख करोड़

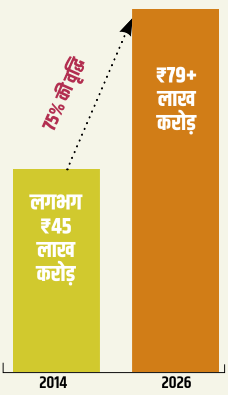

रिकॉर्ड FY2025-26 में भारत का निर्यात

- भारत दुनिया को ज्यादा सामान और सेवाएं बेच रहा है
- रोजगार और उद्योग को ताकत मिल रही है
- नागरिकों को नौकरी, व्यापार, उद्योगों में लाभ
- निर्यात में निरंतर और मजबूत वृद्धि से मैन्युफैक्चरिंग को मिला बढ़ावा

लगभग

₹67 लाख करोड़

का विदेशी मुद्रा भंडार

- इससे देश 11 महीनों के आयात और 94% बाहरी कर्ज को कवर कर सकता है
- यह 1991 के लगभग ₹11,500 करोड़ से बड़ी वृद्धि है
- यह बताता है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों का बेहतर तरीके से सामना कर सकता है
- महंगाई पर नियंत्रण
- आर्थिक स्थिरता की मजबूत पहचान

₹22+लाख करोड़

नेक्स्ट जनरेशन सुधार : टैक्स स्लैब में कमी से टैक्स पेयर को बड़ी राहत

- सुधार से मध्यम वर्ग को मिला रहा सबसे अधिक लाभ
- घरेलू खपत में करीब ₹2 लाख करोड़ की वृद्धि
- अब 5% और 18% के दो स्लैब
- सरकार और राज्यों के पास ज्यादा विकास निधि
- इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक सेवाओं को समर्थन
- फॉर्मल अर्थव्यवस्था और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा

मुंबा:

₹1.64 लाख करोड़

का निवेश सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम से आया

- 12 सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट को मंजूरी, 6 राज्यों में जिसमें सिलिकॉन फैब, सिलिकॉन कार्बाइड फैब, उन्नत पैकेजिंग, मेमोरी पैकेजिंग आदि शामिल
- स्वदेशी चिप विनिर्माण को बढ़ावा
- भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ता और अधिक स्थिर होगा
- उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां सृजित होंगी
- हाई-टेक उद्योग विकसित होगा, नए करियर के अवसर बनेंगे
- तकनीकी आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा
- भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 से तैयार हो रहा है नया इकोसिस्टम
- अगले दशक में दुनिया के प्रमुख सेमीकंडक्टर राष्ट्रों में शामिल होने की नींव मजबूत हो रही है

लगभग ₹2 लाख करोड़

का रिकॉर्ड लाभ 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने कमाया

- भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण
- बैंकिंग सिस्टम ज्यादा सुरक्षित हुआ
- लोन उपलब्धता बेहतर हुई
- सरकार पर वित्तीय बोझ कम हुआ
- आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिला

सरकारी बैंकों का एनपीए घटा

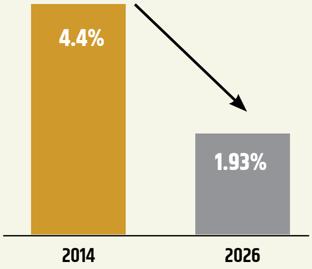

12 वर्ष : मजबूत हुई अर्थव्यवस्था

मुक्त व्यापार समझौते

2014	2026
RCEP की राह पर, असंतुलन हावी	9 बड़े FTA, 38 देशों के साथ

- 6 एफटीए 2024 से 2026 के बीच किए गए

यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस)

- 24 अगस्त, 2024 को मंजूरी, 25 वर्ष की न्यूनतम सेवा योग्यता वालों को औसत वेतन के 50% पेंशन की गारंटी
- 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्रांति

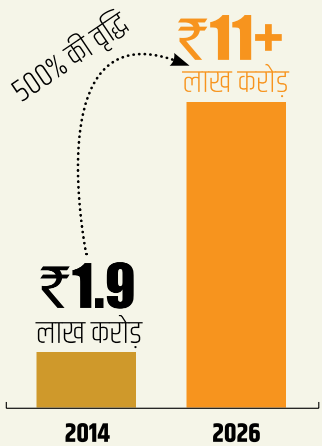

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात

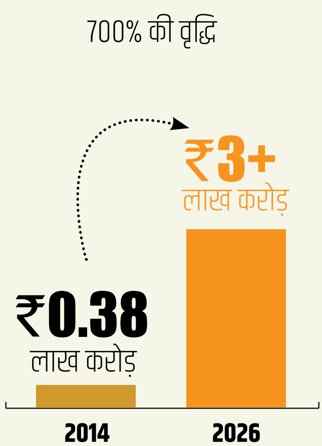

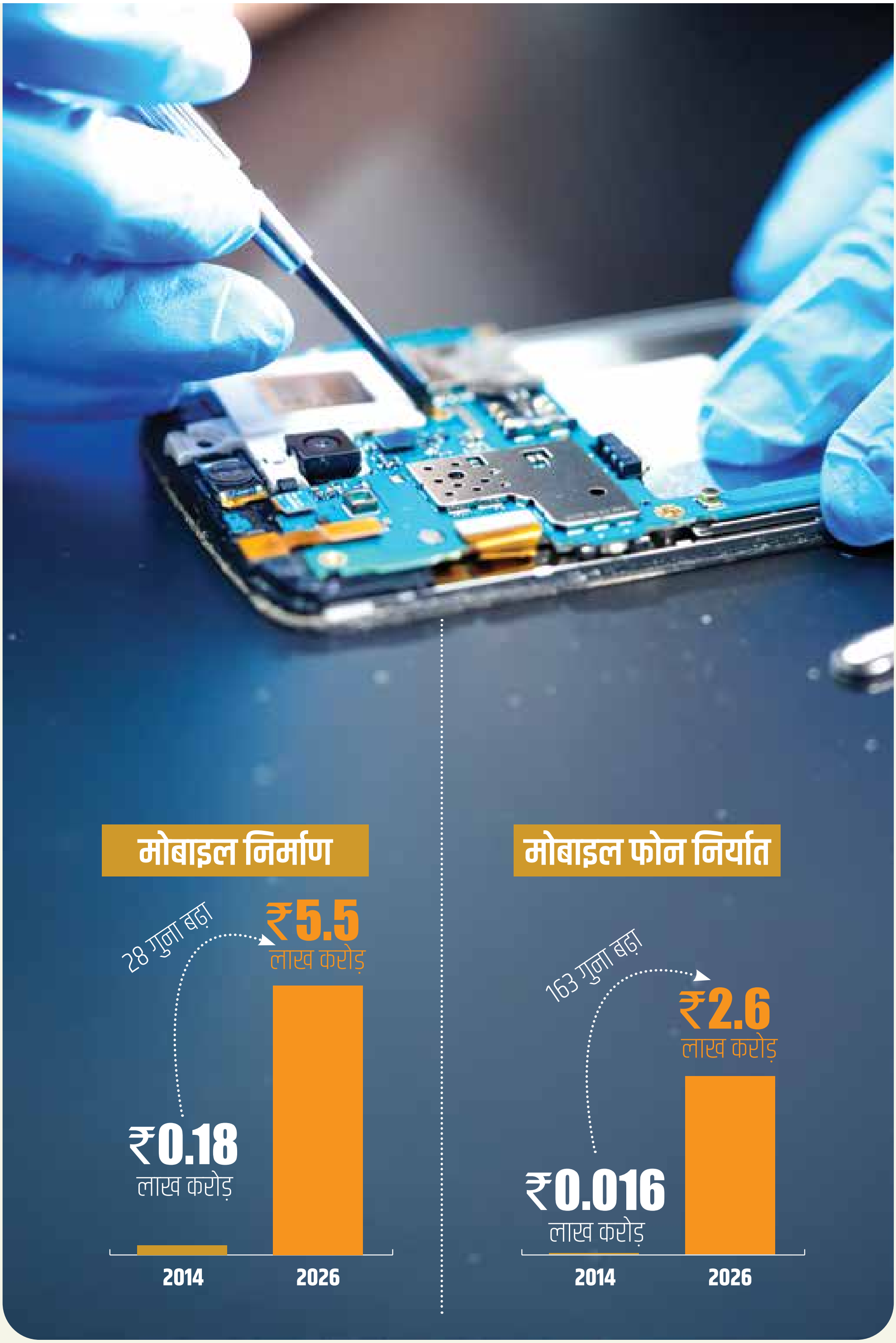
मोबाइल निर्माण
28 गुना बढ़ा
₹5.5
लाख करोड़
₹0.18
लाख करोड़
2014
2026
मोबाइल फोन निर्यात
163 गुना बढ़ा
₹2.6
लाख करोड़
₹0.016
लाख करोड़
2014
2026

प्रगति पथ पर अग्रसर...
12 वर्ष की यात्रा

भारत ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है

- लगातार चौथे वर्ष भारत ने यह स्थान हासिल किया है। यह पिछले 12 वर्षों में मजबूत और निर्णायक शासन का परिणाम है

25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं

- जिससे देश में नए मध्यम वर्ग की खपत और आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं

भारत की आर्थिक शक्ति में वृद्धि
भागीदार राज्यों को भरपूर टैक्स ट्रांसफर

- वित्त वर्ष 2026-27 के 14 लाख करोड़ रुपये जोड़ दें तो यह आंकड़ा करीब 100 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया

राज्यों को मिले रुपये

देश की कच्चे स्टील उत्पादन क्षमता

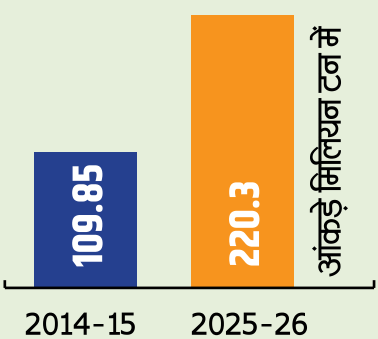

भारत का शेयर बजार

पूंजी के आधार पर दुनिया के

10

सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में शामिल BSE और NSE

- भारत के प्रमुख शेयर बाजार अब दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में गिने जाते हैं

₹410+

लाख करोड़

पहुंचा मार्च 2026 में बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन

- अर्थव्यवस्था और निवेशकों को सीधा लाभ
- म्युचुअल फंड, एसआईपी, ईपीएफ, एनपीएस निवेशकों को लाभ
- कंपनियों की पूंजी जुटाने की क्षमता बढ़ी
- बाजार में लिक्विडिटी और विदेशी निवेश वृद्धि में मददगार
- अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ता है, निवेश आकर्षित करने में मदद मिलती है

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

₹12 लाख

सामान्य व्यक्ति को और नौकरी वालों की ₹12.75 लाख की व्यक्तिगत आय अब टैक्स फ्री

- नया आयकर अधिनियम, 2025 भी 1 अप्रैल, 2026 से लागू

नई कर व्यवस्था में पारदर्शी, सरल हुई आयकर फाइलिंग, कागज संभालने का झंझट खत्म

- 12 वर्षों में चौथी बार मिली कर में छूट
- 88% करदाता ₹12 लाख तक की आय वाले हैं जिन्हें मिल रहा है सीधा लाभ

स्लैब दरों में बदलाव और छूट से मिल रहा बड़ा लाभ

- वार्षिक ₹12 लाख की आय वालों को होगी ₹80 हजार तक की बचत
- ₹20 लाख की आय वालों को ₹90 हजार तक की बचत
- ₹24 लाख की वार्षिक आय वालों को ₹1.10 लाख से अधिक की बचत

भारत की डिजिटल सार्वजनिक व्यवस्था ने शासन प्रणाली में बड़ा बदलाव लाया है

- **DBT** से ₹51 लाख करोड़ से अधिक राशि सीधे लोगों के खाते में पहुंचाई गई
- लगभग ₹4.3 लाख करोड़ की गड़बड़ी या लीकेज रोकी गई

₹7,280 करोड़

की योजना को मंजूरी भारत में रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (REPM) निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए दी गई है

₹25,500 करोड़

से अधिक की बचत की है अब तक वर्तमान सरकार ने Single Nodal Agency (SNA) और Treasury Single Account (TSA) जैसी व्यवस्था कर बेहतर वित्त प्रबंधन से

₹13 लाख करोड़

विदेशी प्रेषण (रेमिटेन्स) FY25 में भारत आया

- विदेश में काम करने वाले भारतीय परिजनों को जो पैसा भेजते हैं, उसे ही रेमिटेंस कहते हैं।

- प्रेषण (रेमिटेन्स) का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता भारत
- करोड़ों परिवारों की आय में सीधा सुधार
- गांव और छोटे शहरों में आर्थिक गतिविधि बढ़ा
- गरीबी कम करने में मदद

- भागीदारी और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है

- नवंबर 2025 में, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर घटकर 4.7 प्रतिशत रह गई, जो अक्टूबर 2025 में 5.2 प्रतिशत थी

महंगाई दर में लगातार कमी

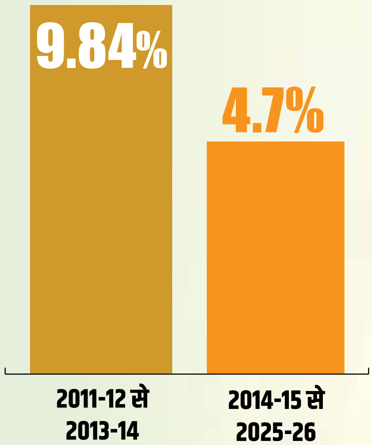

(सामान्य CPI सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति)

- मजबूत आर्थिक सिद्धांत और सरकारी उपायों के चलते मुद्रास्फीति नियंत्रण में रही
- कीमतें नरम पड़ी, लोगों की जेब पर बोझ कम हुआ है
- यह उस समय हो रहा है, जब भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है

ग्लोबल इंडिया के लिए चैंपियन एमएसएमई

लोन गारंटी योजना में गारंटी कवरेज

- ऊपरी सीमा ₹5 करोड़ से बढ़कर ₹10 करोड़ की गई

- एमएसएमई का बड़े पैमाने पर संचालन और संसाधनों तक बेहतर पहुंच में मदद के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ी

2.5 गुना निवेश और टर्नओवर 2 गुना बढ़ाया गया

- इससे दक्षता में सुधार, तकनीकी अपनाने और रोजगार सृजन की उम्मीद है

अध्याय 2

भारत के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण

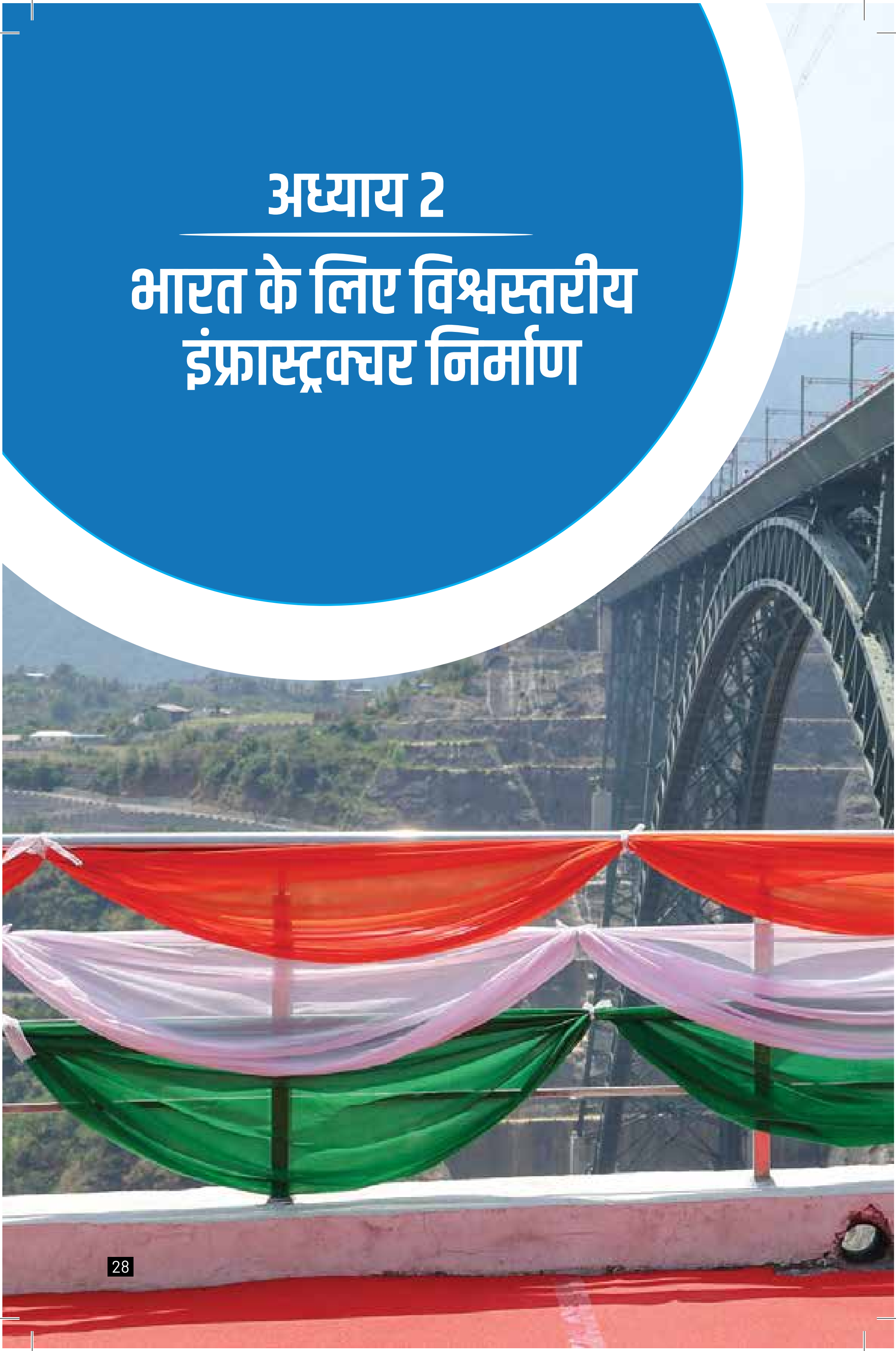

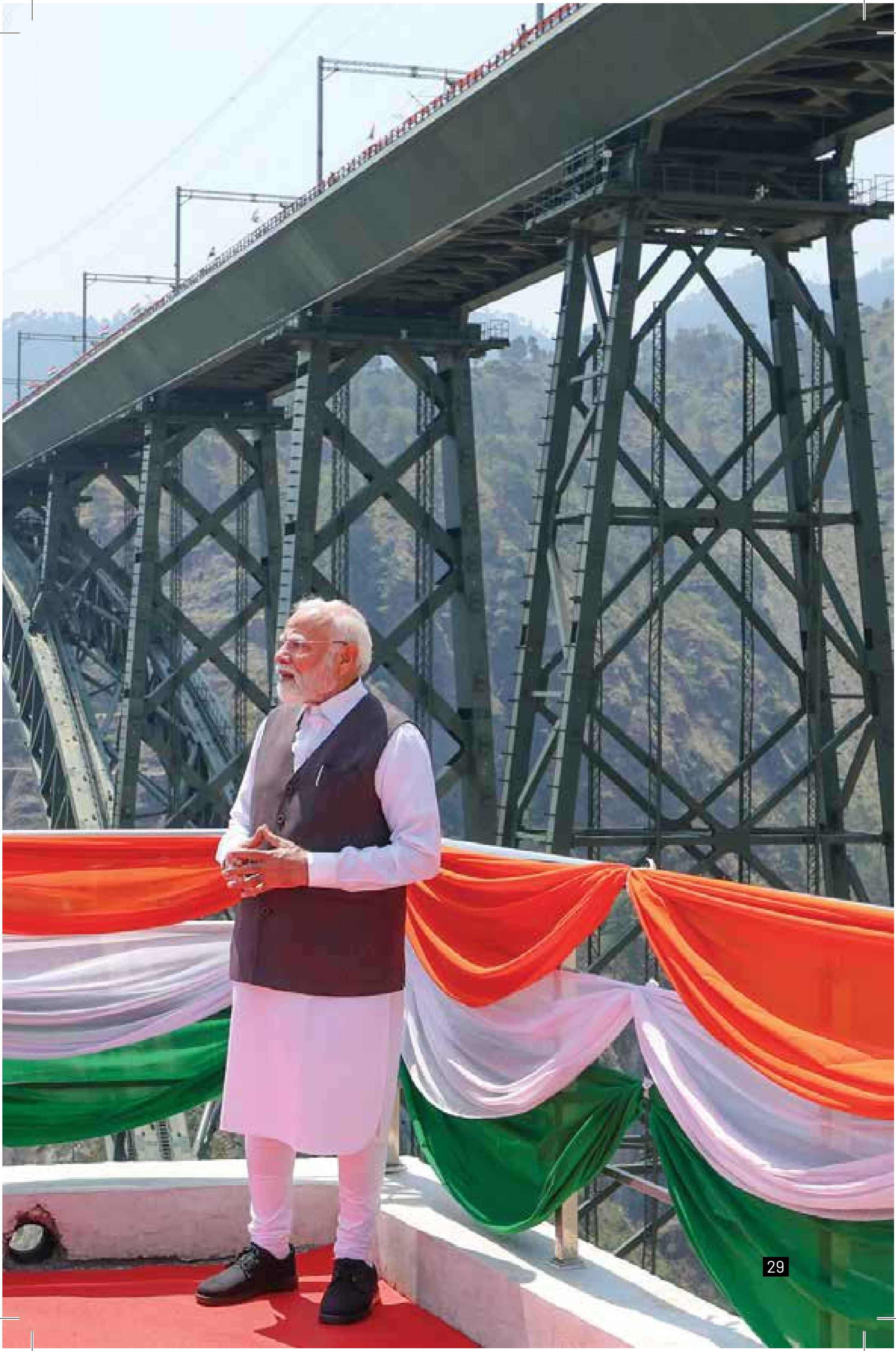

इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति

लगभग
64 लाख किमी

रोड नेटवर्क, दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा

- बेहतर सड़कें सिर्फ कंक्रीट नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़
- सड़कों का जाल बिछने से यात्रा आसान
- निवेश, उद्योग और नए अवसरों को बढ़ावा

1,155 किमी

मेट्रो रेल का नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा

- चीन और अमेरिका के बाद भारत का नेटवर्क 1,000 किमी के पार
- मेट्रो रेल ने आवागमन की स्पीड बढ़ाई
- प्रदूषण मुक्त वातावरण में सुरक्षित यात्रा
- ट्रैफिक जाम में फंसने के झंझट से मुक्ति
- शहरी परिवहन का तौर-तरीका बदला

रेल हुई स्वच्छ, सुरक्षित और तेज

99.6%

ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण

- दुनिया की सबसे अधिक विद्युतीकृत रेलवे नेटवर्क में से एक, बढ़ी स्पीड
- यह देश की सतत परिवहन और आर्थिक विकास रणनीति की आधारशिला है
- कार्बन उत्सर्जन में कमी और नेट जीरो के लक्ष्य को मजबूती

---

741 करोड़

यात्रियों को 2025-26 में रेलवे ने दी सेवा

- वंदे भारत, नमो भारत, तेजस जैसी ट्रेन सेवाओं के साथ देश की बढ़ी क्षमता
- अब टिकट मिलने में आसानी

वंदे भारत स्लीपर की शानदार शुरुआत

पहले तीन महीनों में 1.2+ लाख यात्रियों ने किया सफर, 100% रही ऑक्यूपेंसी

530+ गीगावॉट

पहुंची भारत की स्थापित विद्युत क्षमता

- भारत अब बिजली की सबसे अधिकतम 256 गीगावाट की मांग को बिना किसी कमी के कर रहा है पूरा
- बिजली कटौती में आई है बड़ी कमी
- नवीकरणीय ऊर्जा की भागीदारी बढ़ी

₹2,700+ करोड़

के लाभ में 2024-25 में पहली बार आई DISCOMs, पहले घाटे में रहती थीं

- खुले तार हटने और तकनीक से रुकी बिजली चोरी और लीकेज

₹16+ लाख करोड़

की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का पीएम गति शक्ति नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने किया मूल्यांकन

- राष्ट्रीय मास्टर प्लान में एक डिजिटल प्लेटफार्म पर आए विभाग और मंत्रालय
- बेहतर समन्वय से विकास कार्य में आ रही है तेजी

गति शक्ति विश्वविद्यालय

- परिवहन और लॉजिस्टिक्स शिक्षा के लिए भारत का पहला समर्पित विश्वविद्यालय
- लॉजिस्टिक्स और परिवहन क्षेत्र में तैयार हो रही हैं विश्व स्तरीय प्रतिभाएं

चिनाब : 359 मीटर ऊंचाई पर बना

दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज

- पेरिस के एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा ब्रिज
- अत्याधुनिक इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत
- रेलवे संपर्क में हुई वृद्धि, अब घंटों की दूरी मिनटों में तय
- DRDO की सहायता से पुल को विस्फोटक निरोधी बनाया गया

अंजी खड्ड पुल

भारत का पहला केबल-आधारित रेलवे पुल

- उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन के कटरा-बनिहाल सेक्शन में एक अहम कड़ी है।
- जम्मू से लगभग 80 किलोमीटर दूर बना यह पुल अंजी नदी घाटी से 331 मीटर ऊपर बना है
- 8,200 मीट्रिक टन से ज्यादा स्टील का उपयोग, यह भूकंप रोधी है

36,000

किमी नए ट्रैक बिछाए गए

2014 के बाद

484 किमी नए टनल का निर्माण

- 2014 तक सिर्फ 125 किलोमीटर टनल थी

भारत की पहली बुलेट ट्रेन की झलक

- 508 किमी का मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट निर्माणाधीन
- गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली प्रोजेक्ट में शामिल
- 12 स्टेशन में से 8 स्टेशन पर नींव का काम पूरा
- 97 किमी के सूरत-वापी सेक्शन पर नदी निर्माण सहित सभी सिविल कार्य पूरे
- समुद्र के नीचे बनने वाली सुरंग लगभग 21 किमी में से लगभग 5 किमी सुरंग का निर्माण पूरा

12 वर्ष : मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर

क्षेत्र
राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का रिकॉर्ड विस्तार
हाई-स्पीड कॉरिडोर से यात्रा और पर्यटन को नई गति
4-लेन और उससे चौड़ी सड़कों का विस्तार-अधिक सुगम, तेज और सुरक्षित सफर
ट्रेन में फॉग सेफ्टी डिवाइस-रेलवे सुरक्षा में बड़ा सुधार
एयरक्राफ्ट फ्लीट - हवाई यात्रा हुई अधिक सुलभ
बंदरगाह क्षमता - वैश्विक व्यापार को नई मजबूती
जलमार्ग-हरित और किफायती लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा

	तब (2014)	अब (2026)
	91,287 किमी	1,46,572 किमी
	93 किमी	3,644 किमी
	18,371 किमी	45,516 किमी
	90	29,848
	395	855
	1,400 MMTPA	2,819 MMTPA
	3	111 (32 ऑपरेशनल)

“

आज आप किसी भी दिशा में 100 किलोमीटर अगर जाएंगे, तो भारत सरकार द्वारा कोई न कोई काम चलता हुआ नजर आएगा। गांवों में भी बदलाव तेजी से दिखाई दे रहा है। कनेक्टिविटी बढ़ने से किसानों, छोटे व्यापारियों, विद्यार्थियों के लिए नए रास्ते खुले हैं।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रगति पथ पर अग्रसर...
12 वर्ष की यात्रा

इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च 6 गुना हुआ

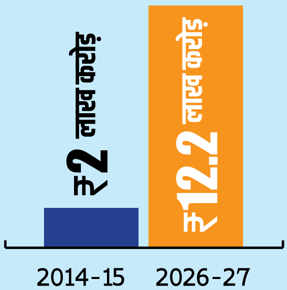

इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च से बढ़ती हैं नौकरियां

- **IMF** के अनुसार इंफ्रा पर हर 10 लाख डॉलर (करीब ₹8.3 करोड़) के निवेश से 7 से 30 नई नौकरियां पैदा होती हैं
- एक अनुमान बताता है कि सिर्फ निर्माण क्षेत्र से ही 2030 तक 10 करोड़ लोगों को नौकरी मिलने की उम्मीद है।

PRAGATI : अब अटकती नहीं हैं परियोजनाएं

- ₹85+ लाख करोड़ की 380+ परियोजनाओं की समीक्षा यहां की गई
- प्रगति की शुरुआत पीएम मोदी ने 2015 में की थी
- यहां तकनीक की मदद से परियोजनाओं की निगरानी उनके नेतृत्व में की जा रही है
- जहां रुकावटें समयबद्ध दूर की गईं

आधुनिक भारत को मजबूती देंगे ₹43 लाख करोड़ के इंफ्रा प्रोजेक्ट

- 1,900 से अधिक इंफ्रा प्रोजेक्ट पर देश में चल रहा है काम
- सभी प्रोजेक्ट की लागत ₹150 करोड़ से अधिक
- पैमाना प्लेटफार्म पर की जा रही है इन प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग
- समय पर समीक्षा और डेटा-आधारित निर्णय लेने में मिल रही है मदद
- मार्च, 2026 तक करीब ₹20 लाख करोड़ इन प्रोजेक्ट पर हो चुके हैं खर्च
- 1,400+ प्रोजेक्ट परिवहन और लॉजिस्टिक्स से जुड़े हैं
- यह बताता है कि देश कनेक्टिविटी-आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता दे रहा है

164

हुई एयरपोर्ट की संख्या

2014 तक सिर्फ 74 थी

स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य समय से पहले हासिल

जून 2025 में भारत ने स्थापित बिजली क्षमता में 50% गैर-जीवाश्म ईंधन हिस्सेदारी प्राप्त कर 2030 के लक्ष्य को 5 वर्ष पहले हासिल किया

ग्रीन एविएशन में भारत की बड़ी उपलब्धि : इंडियन ऑयल Sustainable Aviation Fuel (SAF) के लिए ISCC CORSIA प्रमाणन पाने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी, एयर इंडिया के साथ SAF आपूर्ति के लिए समझौता किया

12+ करोड़ से अधिक FASTag जारी

- अब टोल प्लाजा पर कुछ सेकेंड रुकती हैं गाड़ियां
- बढ़ी स्पीड, घटा ईंधन खर्च

मेरठ–प्रयागराज एक्सप्रेसवे

- 594 किमी का आधुनिक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, जिसने उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास को नई गति दी

द्वारका एक्सप्रेसवे एवं UER-II

- दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक जाम कम हुआ और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी अधिक सुगम बनी

ठाणे बोरीवली सुरंग प्रोजेक्ट

- ₹16,600 करोड़ की परियोजना की रखी गई आधारशिला
- करीब 12 किमी की इस परियोजना से ठाणे से बोरीवली की यात्रा 12 किमी कम हो जाएगी
- यात्रा समय में करीब 1 घंटे की बचत होगी

गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड परियोजना

- परियोजना में सुरंग निर्माण की आधारशिला राखी गई
- परियोजना से गोरेगांव में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से मुलुंड में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे तक सड़क संपर्क सुगम होगा

वाढवण बंदरगाह

- ₹76,000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले वाढवण बंदरगाह की आधारशिला रखी गई
- इसका उद्देश्य एक विश्व स्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है

भूमिराशि पोर्टल से बढ़ी पारदर्शिता और गति

- राजमार्ग भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का पूर्ण डिजिटलीकरण
- **PFMS** से सीधे मुआवजा भुगतान सुनिश्चित

नमो भारत RRTS

- दिल्ली–मेरठ कॉरिडोर की शुरुआत। भारत ने हाई-स्पीड क्षेत्रीय परिवहन के नए युग में प्रवेश किया

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से लॉजिस्टिक्स क्रांति

- ट्रांजिट समय में कमी, यात्री रेल लाइनों पर दबाव कम और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना

- लगभग 8.5 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़क और 12+ हजार पुल को मंजूरी
- 7.9+ लाख किमी सड़क और 10+ हजार पुल का निर्माण पूरा

ग्रामीण भारत के विकास का यह महत्वपूर्ण स्तंभ मना चुका है 25वीं वर्षगांठ

"जब साइंस को स्केल मिलती है, जब इनोवेशन, इनक्लूसिव बनती है, और टेक्नोलॉजी, ट्रांसफॉर्मेशन लाती है, तो बड़ी उपलब्धियों की नींव मजबूत होती है। बीते 12 वर्षों में भारत की यात्रा इसी विजन का उदाहरण है।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अध्याय 3

जन-जन तक तकनीक परिवर्तन का नया सेतु

49% वैश्विक रीयल-टाइम भुगतान लेनदेन में भारत की हिस्सेदारी

- लगभग ₹30 लाख करोड़ के करीब 2,300 करोड़ UPI ट्रांजैक्शन, मार्च 2026 में
- नकदी रखने की परेशानी से मुक्ति
- मोबाइल एप्लिकेशन से बैंक खाते हो रहे संचालित
- रेहड़ी-पटरी से लेकर मॉल तक यूपीआई पेमेंट

99.9% जिलों

में 5G सेवाएं उपलब्ध, देश की 85% आबादी कवर

- तेज इंटरनेट से डिजिटल सेवाओं के साथ पढ़ाई भी आसान
- चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5G बाजार बना भारत

103 करोड़ इंटरनेट

कनेक्शन, दिसंबर 2025 तक, 2014 में 25+ करोड़ थे, 4 गुना हुए

- ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी अब डिजिटल लाइब्रेरी की पहुंच
- मनोरंजन के साधन आसानी से उपलब्ध

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर 18 दिन बिताने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने

- अंतरिक्ष को लेकर युवाओं की जिज्ञासा और आकांक्षा बढ़ी
- अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के मानव मिशन को मिलेगा लाभ

98%

डिजिटल आबादी को साइबर स्वच्छता केंद्र कर रहा है सुरक्षित

- एक सुरक्षित, भरोसेमंद और जवाबदेह साइबर स्पेस का निर्माण
- बढ़ते साइबर खतरों से लोगों को कर रहा सुरक्षित

ISRO की उपलब्धियां

- 1990 के दशक से 2014 तक 35 और अब 399 विदेशी उपग्रह प्रक्षेपित

9+ करोड़

किसान आईडी बनाए गए

- आसान कृषि लोन, सब्सिडी और फसल बीमा जैसी सुविधाएं मिलना हुआ आसान
- बैंक रिकॉर्ड और आधार जुड़ने से वित्तीय लेनदेन हुआ आसान

mygov मेरी सरकार

6+ करोड़

उपयोगकर्ता MyGov वेबसाइट पर

- सरकार में आम लोगों की सहभागिता बढ़ी
- सरकार तक अपनी बात पहुंचाना हुआ आसान

950+ करोड़

दस्तावेज DigiLocker पर जारी, 69+ करोड़ DigiLocker उपयोगकर्ता

- सुरक्षित और डिजिटल हो गया दस्तावेज
- डिजी लॉकर में व्यक्तिगत कागजात (पैन, आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी जैसे दस्तावेज) रखना हुआ आसान

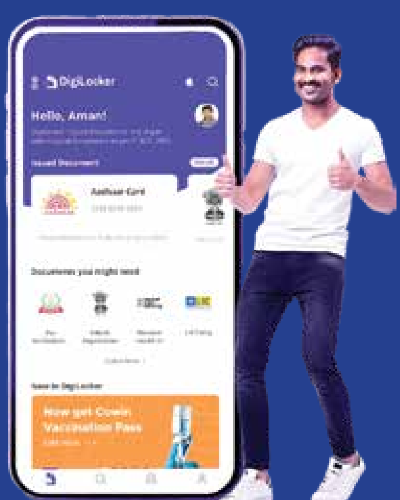

ब्रॉडबैंड विस्तार

- 6+ करोड़ कनेक्शन से बढ़कर करीब 100 करोड़ कनेक्शन

सेमीकंडक्टर निर्माण

- 2014 में एक भी कमर्शियल प्लांट नहीं था, जबकि 2026 तक 12 स्वीकृत प्लांट

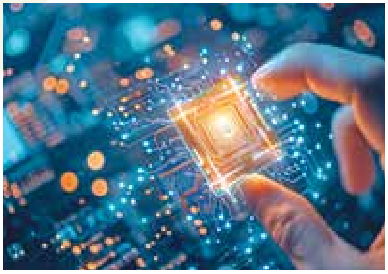

58+ करोड़

जन-धन लाभार्थी

- दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल
- गरीबों के घर तक पहुंचा बैंक
- जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिशक्ति से ₹51 लाख करोड़ से अधिक की राशि ट्रांसफर

आधार

- **144+ करोड़ आधार कार्ड बने**
- 2014 में 61.01 करोड़ थे

मोबाइल फोन निर्यात

- ₹0.016 लाख करोड़ से बढ़कर ₹2.6 लाख करोड़

मोबाइल विनिर्माण

- 2014 में केवल 2 निर्माण इकाइयां थीं, जो बढ़कर 300+ हो गईं

ग्लोबल AI समिट

- समावेशी, जिम्मेदार और स्केलेबल एआई निर्माण में अपनी वैश्विक नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित की

विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं को टैक्स हॉलिडे

- वैश्विक टेक निवेश और विश्वस्तरीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिल रहा है

रिसर्च, डेवलपमेंट-इनोवेशन योजना

- ₹1 लाख करोड़ होंगे खर्च
- डीप टेक, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम तकनीकों को प्रोत्साहन

IndiaAI मिशन में 38,000+ GPUs लगेंगे

- ₹ 10,372 करोड़ का निवेश होगा
- शोध संस्थानों और स्टार्टअप को **AI** विकास में सहायता मिली

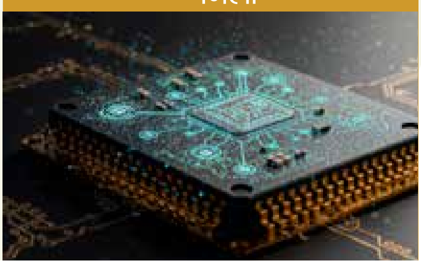

"Bharat VISTAAR" बहुभाषी AI टूल लॉन्च

- **AgriStack** और **ICAR** को जोड़कर किसानों तक उनकी भाषा में कृषि जानकारी पहुंचा रहा है

अध्याय 4

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

सरलता आई

“ रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म’ के सिद्धांत से प्रेरित होकर, भारत सरकार ने कई सुधार किए हैं, जिसने ‘ईज ऑफ डूइंग बिजनेस’ को आगे बढ़ाया है “

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

12 वर्ष : जन विश्वास से प्रगति तक

2.2 लाख

स्टार्टअप पंजीकृत, 23+ लाख रोजगार मिले

- युवाओं के लिए नए रोजगार और बेहतर करियर अवसर बढ़े

- छोटे शहरों के युवाओं को भी स्टार्टअप और तकनीकी क्षेत्र में अवसर मिले
- उद्यमिता की संस्कृति बढ़ी और युवाओं में अपना व्यवसाय शुरू करने का उत्साह आया
- नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था से जीवनशैली और कार्य संस्कृति में परिवर्तन आया

स्टार्टअप, **MSMEs** और शैक्षणिक संस्थानों के लिए पेटेंट प्रक्रिया शुल्क में

80% की कमी

विनिर्माण में FDI

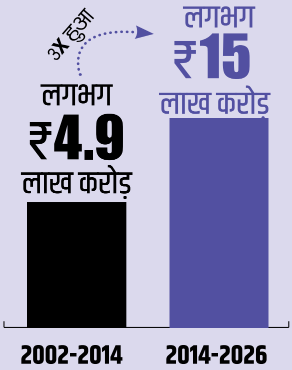

- फैक्ट्रियों और उद्योगों के विस्तार से रोजगार के अवसर बढ़े
- मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे उत्पाद अधिक सुलभ और किफायती हुए
- महिलाओं के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर
- उद्योगों के बढ़ने से स्थानीय व्यापार, परिवहन और सेवा क्षेत्रों को लाभ

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स

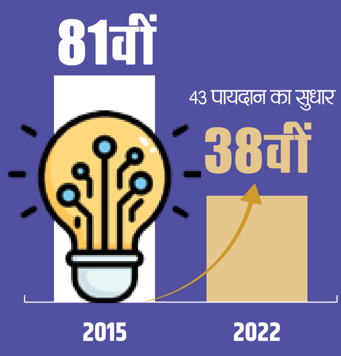

- डिजिटल सेवाएं अधिक आसान, तेज और सुलभ बनीं
- स्टार्टअप और नवाचार आधारित रोजगार के अवसर बढ़े
- ऑनलाइन भुगतान, ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार
- युवाओं में शोध, उद्यमिता और तकनीकी कौशल के प्रति रुचि बढ़ी

फैक्ट्री अप्रूवल

सुधारों से पहले **90 दिन**

अब **30 दिन**

कंपनी पंजीकरण में 5 वर्ष में

27% वृद्धि

- उद्योग तेजी से शुरू होने लगे, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े
- निवेशक का भरोसा बढ़ा, जिससे नए उद्योग और कंपनियां आईं
- सप्लाई चेन मजबूत हुई, जिससे रोजमर्रा की जरूरत की चीजें आसानी से उपलब्ध हुईं
- समग्र रूप से आर्थिक गतिविधि तेज होने से आम जनता की आय और अवसर बढ़े

FASTag

- टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत कम हुई, जिससे यात्रा समय में बचत हुई
- ईंधन की खपत कम हुई क्योंकि वाहनों को बार-बार रुकना और चलना नहीं पड़ता
- टोल भुगतान में नकद की जगह डिजिटल ट्रांजैक्शन बढ़ा, जिससे पारदर्शिता आई
- समग्र रूप से सड़क परिवहन अधिक आधुनिक, तेज और सुविधाजनक बना

टोल पार करने का औसत समय 12 मिनट से घटकर अब

40 सेकंड

कम समय में ITR प्रोसेसिंग

- टैक्स रिफंड जल्दी मिलने लगा, जिससे लोगों के पास नकदी बढ़ी
- टैक्स प्रणाली पर लोगों का भरोसा बढ़ा और अनुपालन (**compliance**) सुधरा
- वित्तीय तनाव कम हुआ, मध्यम वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा
- आयकर विभाग की कार्यकुशलता और पारदर्शिता में सुधार हुआ

e-KYC लागत

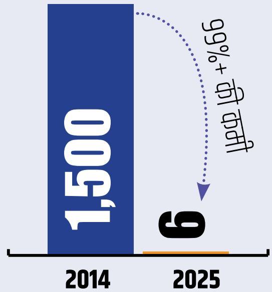

लगभग 1,500 से घटकर केवल 6 रुपये

- गरीब-ग्रामीण वर्ग तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच तेजी से बढ़ी
- डिजिटल पहचान से धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज में कमी आई
- समय की बचत हुई-**KYC** जो पहले महंगी और धीमी प्रक्रिया थी, अब तुरंत हो जाती है
- सरकारी सब्सिडी अब **DBT** से सही लाभार्थियों तक तेजी से पहुंचने लगी

GST करदाताओं का विस्तार

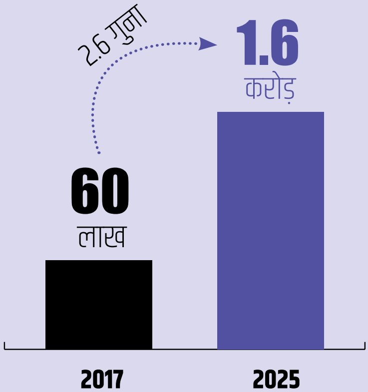

- टैक्स आधार बढ़ने से सरकार की आय में वृद्धि हुई, जिससे विकास योजनाओं के लिए अधिक संसाधन मिले
- कर प्रणाली अधिक पारदर्शी बनी, जिससे "कैश-इकोनॉमी" में कमी आई
- अधिक व्यवसाय फॉर्मल इकोनॉमी में आए, जिससे कर्मचारियों को कानूनी सुरक्षा मिली
- वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति श्रृंखला अधिक संगठित हुई, जिससे लंबी अवधि में कीमतों में स्थिरता आई

जन विश्वास सुधार : भारत के नियामकीय इतिहास का सबसे बड़ा डी-क्रिमिनलाइजेशन अभियान

BRAP 2026 के तहत **9,700** से अधिक सुधार लागू किए गए

PRAGATI के माध्यम से
₹4+ लाख करोड़
की अटकी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया गया

लगभग
₹4 लाख करोड़
IBC के माध्यम से कर्जदाताओं को वापस दिलाई गई

- बैंकिंग सिस्टम मजबूत हुआ
- बैंकों का पैसा फंसने से बचा, एनपीए घटा
- डूबी कंपनियों की संपत्ति दोबारा उपयोग में आई
- वित्तीय अनुशासन बेहतर हुआ

9,000+ RBI सर्कुलर को घटाकर **238** सरल मास्टर निर्देश बनाए गए और **9,446** पुराने निर्देश समाप्त किए गए

GeM पोर्टल पर
स्थापना से अब तक

₹18.42+

लाख करोड़

संचयी GMV दर्ज

4,600+

अनुपालनों (Compliances) को अपराधमुक्त किया गया और **4,270 अनुपालनों को समाप्त** किया गया

आयकर अधिनियम की धारा 80-IAC के तहत स्टार्टअप को लगातार 3 वर्षों तक **100% टैक्स छूट**

38 देशों को कवर करने वाले **9 मुक्त व्यापार समझौते (FTAs)**, जिससे वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ी

$843 बिलियन

कुल एफडीआई 2014 से मार्च 2026 तक भारत में आया

"व्यापार के डर" से "निर्माण की स्वतंत्रता" की ओर बड़ा बदलाव

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

तेजी से बढ़ रहे हैं महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप

48%

से अधिक स्टार्टअप में महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में हैं

राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम (NSWS) अब

34

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जोड़कर स्वीकृति प्रक्रियाओं को डिजिटल बना रहा है

उद्यम पंजीकरण पोर्टल ने MSME पंजीकरण को पूरी तरह पेपरलेस और डिजिटल बनाया

ट्रेडमार्क फाइलिंग शुल्क में स्टार्टअप और MSMEs के लिए

50%

की छूट

जीएसटी सुधार 2025

नेक्स्ट-जेन जीएसटी ने कराधान को सरल बनाया, लोगों का जीवन आसान हुआ

- मुख्य रूप से अब 5% और 18% का स्लैब है, कर देने वाले बढ़े
- अप्रैल, 2026 में जीएसटी संग्रह ₹2.42 लाख करोड़ पहुंचा जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है

1.40+ लाख

पेटेंट फाइल 2025-26 में, बीते दो दशकों में सबसे अधिक

भारत अब ट्रेडमार्क में विश्व में चौथे, पेटेंट में छठे और इंडस्ट्रियल डिजाइन में सातवें स्थान पर है

GENESIS (MeitY) योजना के तहत Tier-II और Tier-III शहरों में

1,600+

डीप-टेक स्टार्टअप को बढ़ावा देने का लक्ष्य

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने **2025 में CAM (Credit Assessment Model) लॉन्च किया**, जिससे MSMEs के लिए डिजिटल और पर्सनल लोन का मूल्यांकन संभव हुआ

"सबका बीमा, सबकी रक्षा" (बीमा कानून संशोधन अधिनियम 2025) के तहत बीमा क्षेत्र में FDI सीमा

100% की गई

TReDS प्लेटफॉर्म पर कॉरपोरेट और CPSEs के ऑनबोर्डिंग की सीमा घटाकर

₹ 250 करोड़

टर्नओवर वाली कंपनियों तक की गई

MSMEs के लिए **Quality Control Orders (QCOs)** में छूट और राहत प्रदान की गई

2025–26 में

29

पुराने श्रम कानूनों की जगह चार लेबर कोड्स का पूर्ण कार्यान्वयन किया गया, जिससे अनुपालन आसान और एकरूप हुआ

जन विश्वास संशोधन विधेयक 2026 ने छोटे प्रक्रियात्मक उल्लंघनों को अपराधमुक्त कर जेल की सजा की जगह नागरिक दंड लागू किया

अध्याय 5

ईज ऑफ लिविंग

सहज जीवन, सशक्त नागरिक

हमारा सुशासन ऐसा होना चाहिए, जिससे नागरिकों के जीवन की सुगमता और जीवन-गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुगम और गरिमामय हो रहा नागरिकों का जीवन

औसतन 23 घंटे

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्धता सुनिश्चित

- सुविधाजनक हुआ जीवन
- सिंचाई और कृषि कार्य हुए आसान
- इंटरनेट और ऑनलाइन शिक्षा मिली

सौभाग्य योजना से रोशन हुए घर

लगभग 2.90 करोड़ परिवारों तक बिजली पहुंची

- बेहतर जीवन सुविधाएं सुनिश्चित

37 करोड़

एलईडी बल्ब उजाला योजना के तहत वितरित

- बिजली बिल में बड़ी बचत
- आर्थिक बोझ हुआ कम
- अंधेरे से मिली मुक्ति
- पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी

प्रधानमंत्री आवास योजना

4+ करोड़

मकान लाभार्थियों को सौंपे गए

- अपने घर का सपना हुआ साकार
- गरिमामय हुआ जीवन

लगभग

16 करोड़

परिवारों तक नल से पहुंचा शुद्ध जल

- दूर-दराज से पानी ढोने से मुक्ति
- स्वास्थ्य में हुआ सुधार
- समय की हुई बचत

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

लगभग 11 करोड़ परिवारों को मिला एलपीजी कनेक्शन

- धुंआ मुक्त हुआ रसोईघर
- महिलाओं को श्वास संबंधी रोग में 20 प्रतिशत की आई कमी
- स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं भी कम हुईं
- घर के कामकाज में समय की होने लगी बचत
- बच्चों और घर के कामकाजी पुरुषों को समय पर भेजने में मिली मदद
- वनों की कटाई पर नियंत्रण हुआ, पर्यावरण की सुरक्षा भी बढ़ी
- वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक ने महिलाओं के सशक्तीकरण में सबसे बड़ी पहल माना

12+ करोड़

शौचालय निर्मित, 5+ लाख गांव खुले में शौच से मुक्त

- अंधेरे का इंतजार करने की पीड़ा खत्म
- गरिमापूर्ण हुआ जीवन
- शौचालयों के निर्माण से दूर हुई जलजनित बीमारियां

जन-जन तक पहुंचा सस्ता इंटरनेट

मात्र 8-10 रुपये प्रति जीबी डेटा

- भारत में दुनिया का सबसे सस्ता डेटा
- नागरिकों तक पहुंची डिजिटल सुविधाएं
- ऑनलाइन शिक्षा, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान
- वर्क फर्म होम, ऑनलाइन रोजगार के बढ़े अवसर
- मनोरंजन व देश-दुनिया से जुड़ना आसान

देश के 26 शहर में 1,155 किमी का मेट्रो नेटवर्क

- सुरक्षित, सुगम, समयबद्ध यात्रा की सुविधा
- प्रदूषण व ट्रैफिक जाम में कमी
- रोजगार व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा
- पर्यावरण अनुकूल, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर

एक्सप्रेसवे नेटवर्क

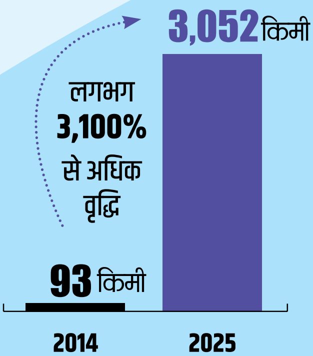

- प्रगति की नई रफ्तार, विकास का नया आधार
- सुगम, सुरक्षित, सुविधाजनक यात्रा
- जाम से मुक्ति, समय की हुई बचत
- व्यापारिक गतिविधियों में आई तेजी
- ईंधन व परिवहन लागत में कमी
- आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी का विस्तार

उड़ान योजना

95 हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और जल एयरोड्रोम से जुड़े 663 उड़ान मार्ग पर फ्लाइट संचालित

- छोटे शहरों तक सुलभ हवाई यात्रा
- आम लोगों को मिला सस्ता हवाई सफर
- व्यापार, पर्यटन, अर्थव्यवस्था को मिली गति
- बेहतर कनेक्टिविटी, जीवनस्तर में सुधार

164

हुई एयरपोर्ट की संख्या

2014 तक सिर्फ 74 थी

विकास यात्रा : तब और अब

क्षेत्र
UPI लेन देन से तेज-सहज-कैशलेस भुगतान व्यवस्था को बढ़ावा
शहरी कचरा प्रोसेसिंग क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि
पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) घरेलू कनेक्शन

	2014*	2026*
	2 करोड़	24+ करोड़
	16%	80%+
	25 लाख	1.67 करोड़+

*आधार वर्ष योजना की शुरुआत या अन्य कारणों से आंकड़ों में अंतर आ सकता है।

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

रेलवे शिकायतों का त्वरित समाधान

- 139 हेल्पलाइन, एप और SMS सुविधा से शिकायत निवारण का औसत समय घटकर मात्र 20-25 मिनट हुआ

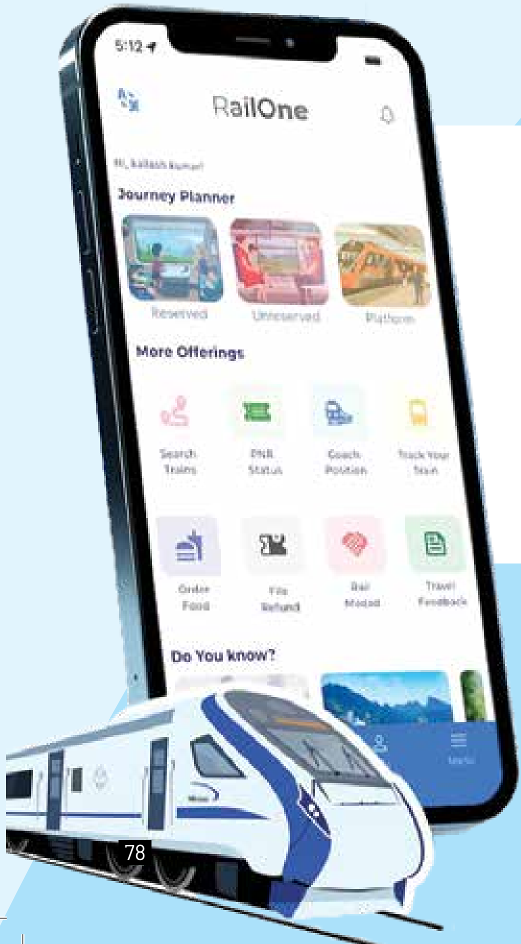

रेलवे टिकट बुकिंग में पारदर्शिता

- 3.02 करोड़ संदिग्ध यूज़र आईडी निष्क्रिय
- आम यात्रियों के लिए टिकट उपलब्धता बढ़ी

FASTag से हाईवे यात्रा हुई आसान

- कैशलेस टोलिंग व्यवस्था ने लंबी कतारें खत्म की, करोड़ों यात्रियों का समय व ईंधन बचा

टोल पार करने का औसत समय 12 मिनट से घटकर अब **40 सेकंड**

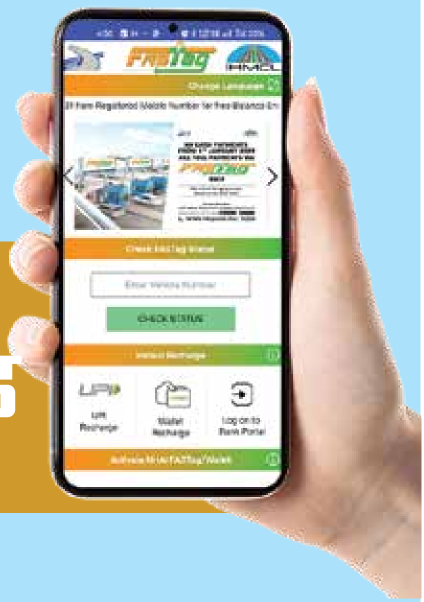

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एकीकृत आपात सेवा

- 112 नंबर के माध्यम से पुलिस, चिकित्सा और अग्निशमन सहायता तत्काल उपलब्ध

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से मजबूत हुई स्वास्थ्य सेवाएं

1.8+ लाख

आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने

- नागरिकों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का मजबूत आधार
- 60+ करोड़ निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग
- 42+ करोड़ लोगों को टेली-परामर्श

कॉमन सर्विस सेंटर

- 5.41 लाख सीएससी देश भर में डिजिटल इंडिया के तहत दे रहीं सेवा (फरवरी, 2026 तक)
- 800+ सेवाएं यहां उपलब्ध
- घर के नजदीक डिजिटल सेवाओं की पहुंच से जीवन आसान हुआ

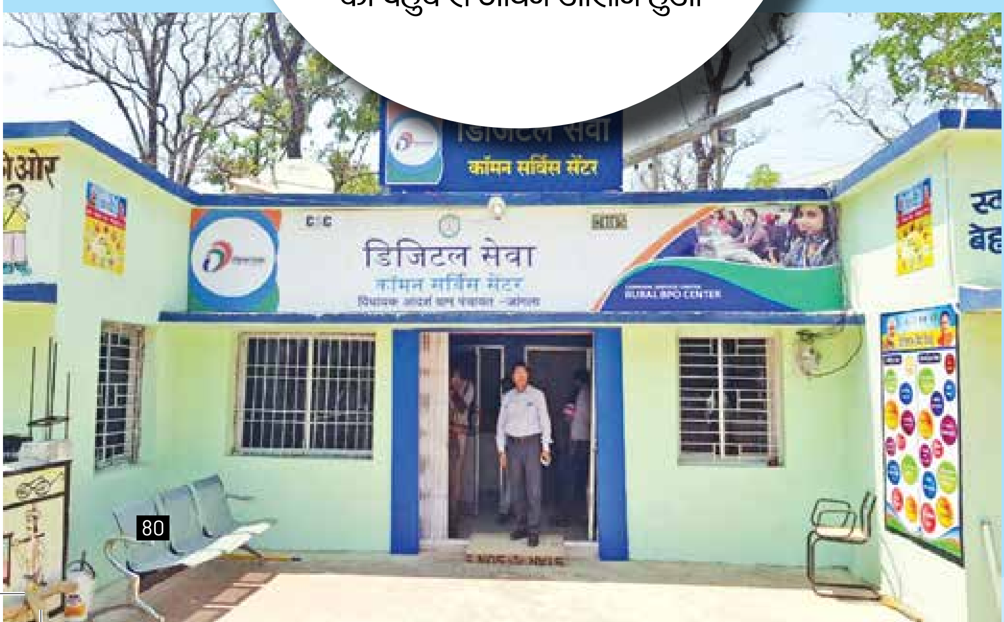

मध्यम वर्ग को बड़ी कर राहत

- नई कर व्यवस्था में 12 लाख तक की व्यक्तिगत आय टैक्स-फ्री
- वेतनभोगियों के लिए 12.75 लाख तक की आय पर शून्य टैक्स

आयुष्मान वय वंदना

- 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को ₹5 लाख तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य कवर

विदेश यात्रा पैकेज पर TCS में राहत

- दर घटाकर 2% की गई।

पीएम सूर्य घर

- लगभग 37 लाख घरों में सोलर सिस्टम लगा
- 1 करोड़ परिवारों को रूफटॉप सोलर के माध्यम से हर माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का लक्ष्य

58+करोड़

बैंक खाते जन धन योजना में खोले गए

- फॉर्मल बैंकिंग से जुड़े वंचित
- सीधा लाभार्थियों तक पहुंचा पैसा
- भ्रष्टाचार और लीकेज पर लगाम
- डिजिटल भुगतान को बढ़ावा
- आर्थिक सुरक्षा मिली

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

- एक ही सप्ताह में 1.81 करोड़ बैंक खाते खोलकर भारत ने स्थापित किया वित्तीय समावेशन का विश्व रिकॉर्ड

JAM ट्रिनिटी की क्रांति

- ₹51+ लाख करोड़ की राशि ट्रांसफर
- जन धन, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति से DBT हुआ सशक्त, बिचौलियों और लीकेज में आई कमी

ई-सेवा केंद्र

49 उच्च न्यायालयों में

2,400+ जिला न्यायालयों में

- एक क्लिक पर न्याय की संपूर्ण जानकारी
- नागरिकों तक न्यायिक सेवाओं की तेज व आसान पहुंच
- भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता बढ़ी
- रोज अदालतों के चक्कर लगाने से मुक्ति
- न्यायिक कार्यों में आई सुगमता और तेजी

तुरंत मिल रहा न्याय

- ई-कोर्ट व्यवस्था से नागरिक अब ऑनलाइन केस, आदेश और सूची देख सकते हैं
- कोर्ट के चक्कर लगाने से मुक्ति, पारदर्शी न्याय मिलना हुआ तेज

भारत टैक्सी - ड्राइवरों के स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म

- भारत का पहला ड्राइवर-स्वामित्व आधारित राइड-हेलिंग मंच, 'सारथी दीदी' सुविधा भी उपलब्ध

अध्याय 6

पूर्वोत्तर भारत

देश के विकास का इंजन

> नॉर्थ ईस्ट केवल देश का एक अहम हिस्सा ही नहीं है, बल्कि ये भारत की 'अष्ट लक्ष्मी' हैं। इसलिए, हम 'एक्ट ईस्ट' की पॉलिसी पर तो काम कर ही रहे हैं, हमने नॉर्थ ईस्ट के लिए 'एक्ट फास्ट' का संकल्प भी लिया है।
>
> \- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

पूर्वोत्तर भारत
विकास का इंजन

पूर्वोत्तर क्षेत्र में **4,170+** किमी रेलवे लाइन का विद्युतीकरण

- **96+%** रेलवे विद्युतीकरण हासिल

जलमार्गों में **1,900%** वृद्धि

- अंतर्देशीय परिवहन की संभावनाओं को बढ़ावा मिला

सौभाग्य योजना के तहत
100%
घरों तक बिजली पहुंची

मणिपुर में भारत का पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय स्थापित हुआ, जो खेल प्रतिभाओं को निखार रहा है

PM-DevINE में **₹6,600** करोड़ आवंटित, जिससे उत्तर-पूर्व के विकास को गति मिली

2023 में गुवाहाटी में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा कैंसर केयर नेटवर्क शुरू हुआ

सिक्किम दुनिया का पहला 100% ऑर्गेनिक राज्य बना

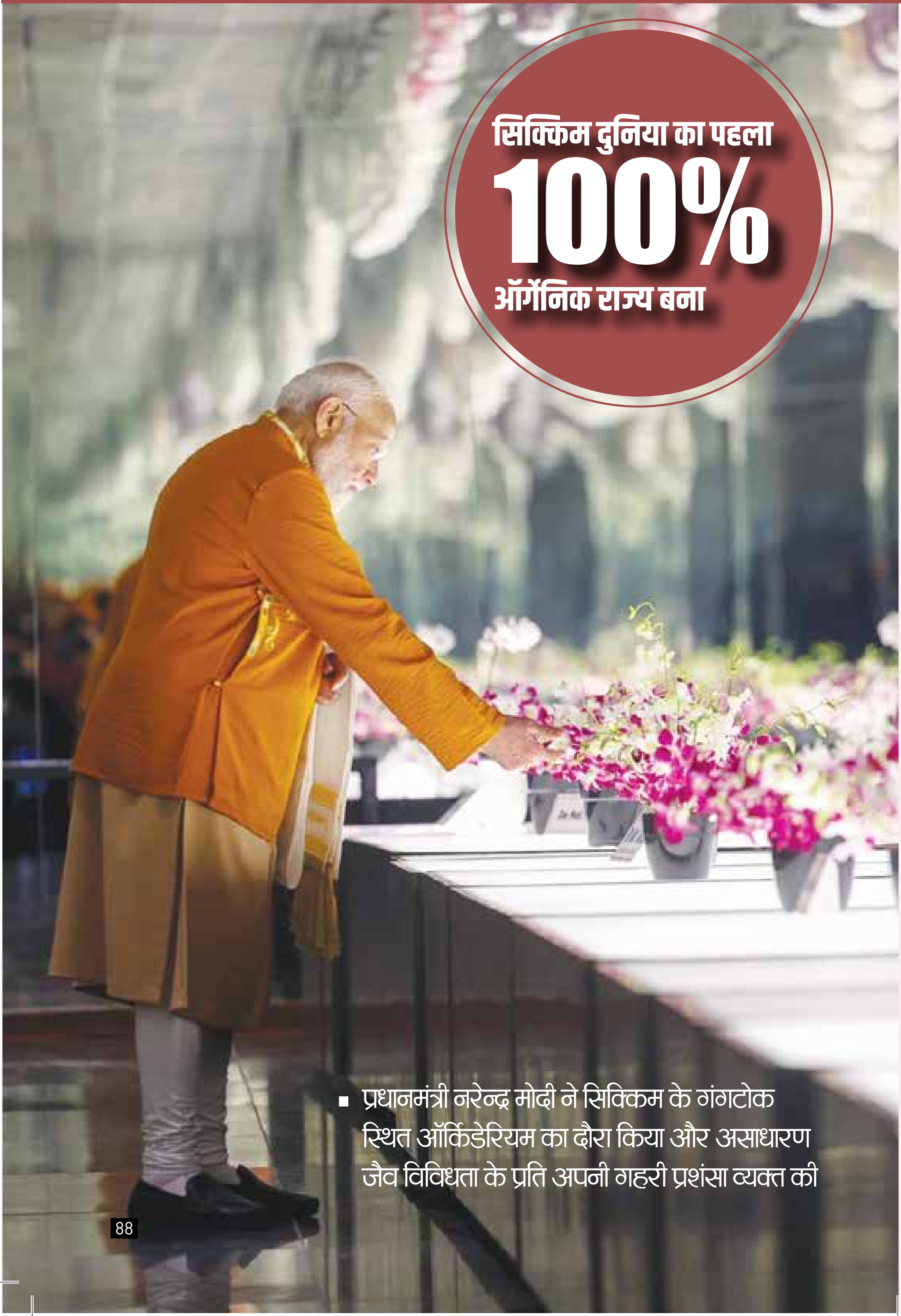

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा किया और असाधारण जैव विविधता के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की

सेला टनल

13,000

फीट से अधिक ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन टनल है, तवांग तक हर मौसम में कनेक्टिविटी

पूरे क्षेत्र में

96%

मोबाइल कवरेज हासिल कर डिजिटल विभाजन को कम किया गया

पूर्वोत्तर भारत की तेज प्रगति

रेलवे विकास

रेलवे कमीशनिंग

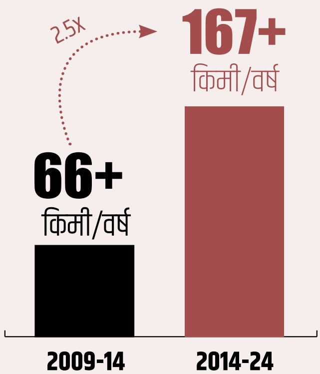

नई रेल लाइन

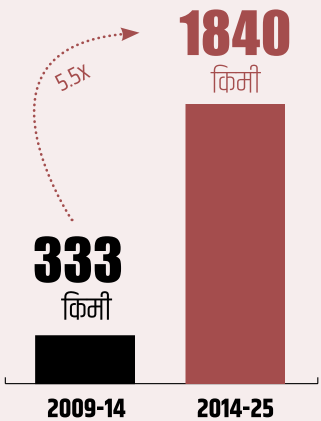

अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम में 100% रेलवे विद्युतीकरण

2014 से पूर्वोत्तर क्षेत्र रेलवे

₹ 95,000 करोड़

का निवेश

भारत की पहली अंडरवॉटर रोड-कम-रेल सुरंग को 2026 में असम में **₹18,662 करोड़** की लागत से मंजूरी मिली

- दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों का मुख्यधारा से बेहतर जुड़ाव हुआ
- पर्यटन में वृद्धि हुई, जिससे स्थानीय आय के अवसर बढ़े
- आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सस्ती और नियमित हुई
- उत्तर-पूर्व भारत का राष्ट्रीय एकीकरण और सामाजिक-आर्थिक समावेशन मजबूत हुआ

आजादी के बाद पहली बार

- 2022 में मणिपुर में पहली मालगाड़ी पहुंची
- 2023 में मेघालय में पहली मालगाड़ी पहुंची
- 2025 में मिजोरम में पहली ट्रेन पहुंची

रेलवे विकास के लिए
₹11,480+
करोड़ आवंटित

शांति और सुरक्षा

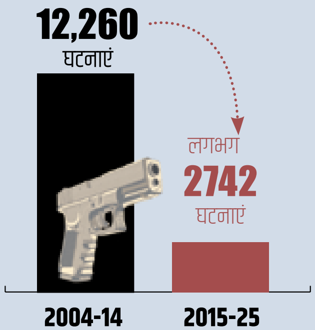

- लंबे समय से प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जीवन बहाल होने लगा
- व्यापार, निवेश और उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बना
- युवाओं के लिए रोजगार और विकास के अवसर बढ़े
- पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिली

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का बजट

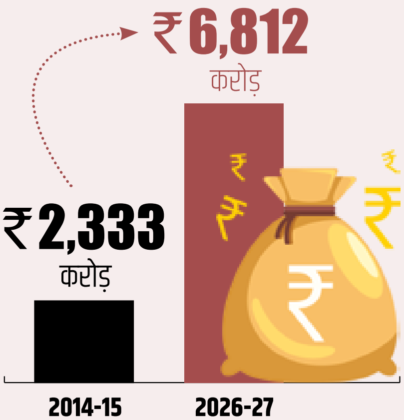

- इंफ्रास्ट्रक्चर (सड़क, पुल, बिजली) के विकास में तेजी आई
- ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ी
- समग्र रूप से उत्तर-पूर्व में जीवन स्तर और विकास गति में सुधार हुआ
- स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार हुआ

जलमार्ग विकास

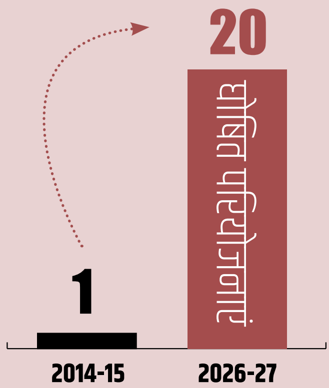

- सामान ढुलाई की लागत कम हुई, जिससे आवश्यक वस्तुएं सस्ती हुईं
- दूरस्थ और नदी-किनारे बसे क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई
- पर्यटन को बढ़ावा मिला, खासकर नदी क्रूज और इको-टूरिज्म में
- आपदा प्रबंधन और राहत सामग्री पहुंचाना आसान हुआ

पर्यटक बढ़े

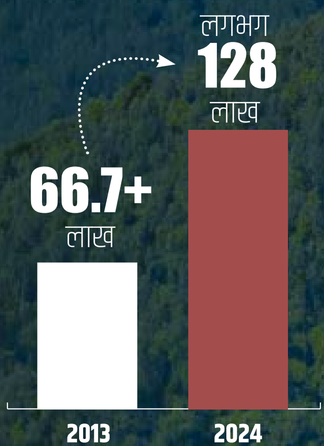

घरेलू पर्यटक

- महिलाओं और युवाओं की पर्यटन-आधारित आय में भागीदारी बढ़ी
- स्थानीय संस्कृति, परंपरा और कला को बढ़ावा मिला
- क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में कैश फ्लो बढ़ा
- छोटे व्यवसायों जैसे होमस्टे, रेस्टोरेंट और हस्तशिल्प को सीधा लाभ मिला

विकास के लिए 10% GBS

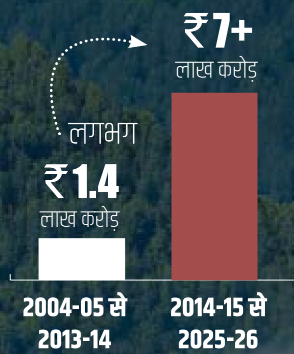

- पेयजल, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार
- आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक समावेशन मजबूत हुआ
- युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़े
- गरीबी घटाने और आजीविका सुधारने वाली योजनाओं का दायरा बढ़ा

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

10,000+

उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया और 12 शांति समझौते हुए

जैविक मूल्य श्रृंखला विकास

2+ लाख

से अधिक किसानों को लाभ मिला और लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती

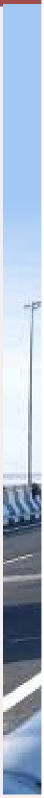

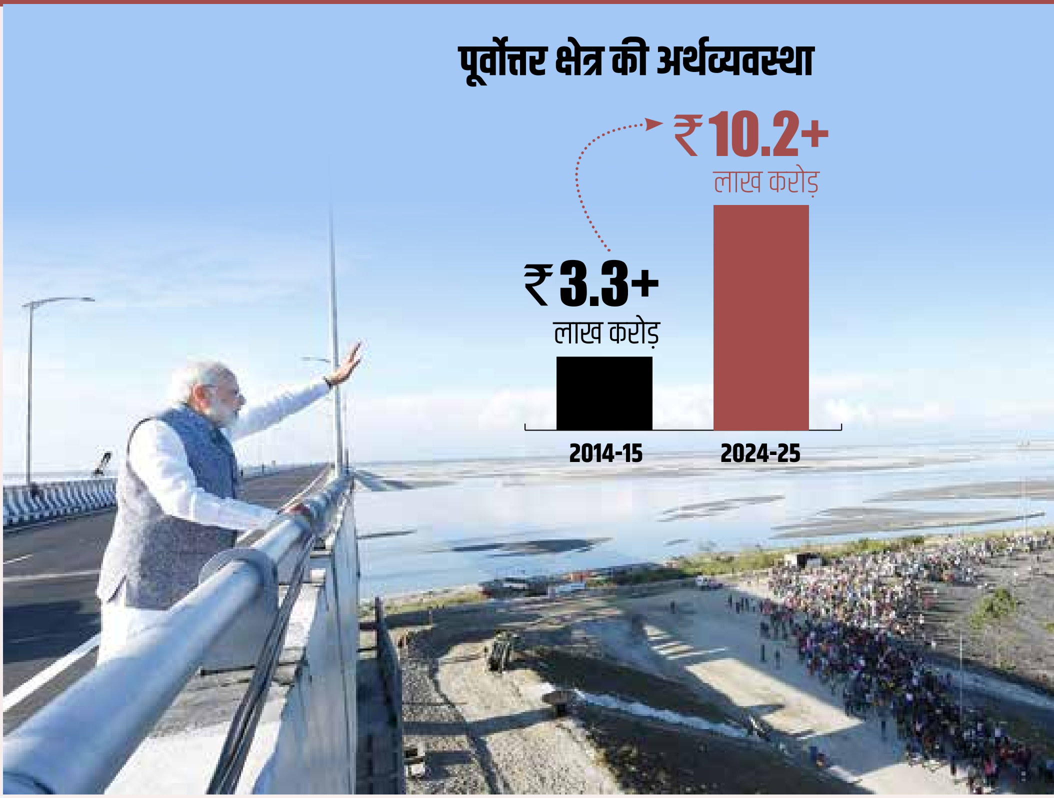

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम
(VVP)-I के तहत

₹2,900+ करोड़

की 2,145 परियोजनाएं स्वीकृत

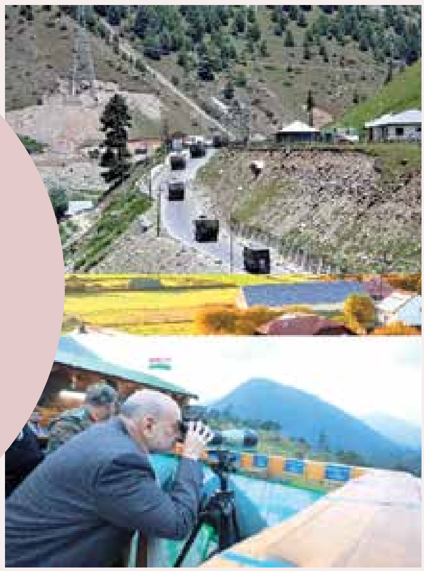

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ₹47,270+ करोड़ खर्च

46,290+
किमी ग्रामीण सड़कें बनीं

22 लाख+ उद्यम एवं यूएपी प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत इकाइयों से **1.3 करोड़+** रोजगार सृजित

असम में भारत के पहले मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए

₹690+ करोड़ आवंटित

हवाई संपर्क

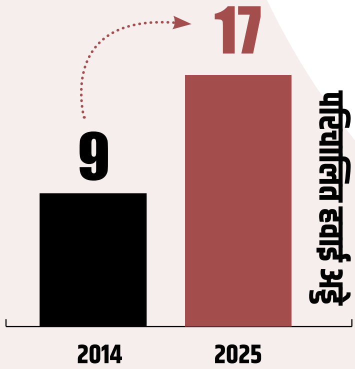

- लोगों के लिए देश के बाकी हिस्सों से यात्रा तेज और आसान हुई
- समग्र रूप से उत्तर-पूर्व भारत का राष्ट्रीय और वैश्विक एकीकरण मजबूत हुआ
- दूरदराज क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बढ़ने से दूरियां हुई कम
- क्षेत्र में निवेश और आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं

8 नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बने

- 2014 में ऐसे 9 एयरपोर्ट थे, अब संख्या 17 पहुंची
- उड़ान योजना के तहत 90 रूट और 12 एयरपोर्ट/हेलीपोर्ट संचालित किए गए

लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

पर्यटन और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाने के लिए बौद्ध सर्किट विकास प्रस्तावित

राइजिंग नॉर्थ ईस्ट समिट 2025 में **₹4.48 लाख करोड़** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

NESIDS के तहत **₹4,703 करोड़** की 82 परियोजनाएं स्वीकृत

15,000 मेगावाट क्षमता लक्ष्य हेतु **₹4,136 करोड़** की जलविद्युत परियोजनाएं स्वीकृत

ब्रह्मपुत्र नदी पर पुलों की संख्या 3 से बढ़कर

8

असम में

₹27,000

करोड़ के निवेश से सेमीकंडक्टर इकाई का विकास

₹10,000+

करोड़ की 'उन्नति' योजना 2024 में शुरू की गई

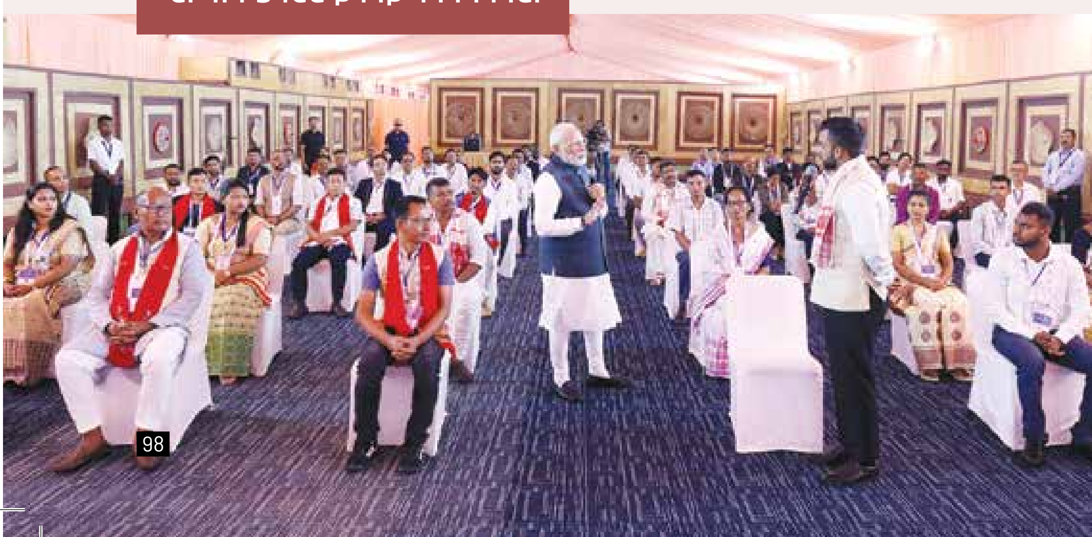

“

विकास हमारे लिए 24 घंटे, सातों दिन, 12 महीने और पूरे देश में चलने वाला मिशन है। हम एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण करते हैं, तो अनेक नए प्रोजेक्ट पर काम करना शुरु कर देते हैं।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

मुद्रक : हाई–टेक ग्राफिक्स, नई दिल्ली